फागण का नज़ारा | by Raj Pareek

फागण का नज़ारा है ,
आयी है खाटु से चिट्ठियाँ, श्याम बाबा ने पुकारा है ।

हमने सुना है फागण में मेला लगता है भारी
दूर दूर तक है चर्चा मेले की महिमा न्यारी
जो एक बर जाता है , आता तो है लेकिन दिल हार के आता है ।

लाखों लाखों निशान लिए , चलते है सब मतवारे
सारे रस्ते गूँजते है, श्याम नाम के जय कारे
सुन सुन के उछलता है , प्रेमी से मिलने को ये खुद भी मचलता है ।

राज उसे जब प्रेमी की यादें बहुत सताती है
मोड़ता है रुख़ बादल का और फागण रुत आती है
फागण के बहाने से , मन को सुकून मिले खाटु में जाने से ।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ab%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a4%a3-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-raj-pareek/